Daily Current Affairs

Date : 13 October, 2025

UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	प्रधानमंत्री धन:धान्य कृषि योजना में राजस्थान के 8 जिले शामिल
2.	मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (अब तक की प्रगति)
3.	जल संचय:जन भागीदारी:जन आंदोलन कार्यक्रम : मंड्रेला (झुँझुनूँ)
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. प्रदेश का पहला 'कंगारू मदर केयर लाउंज' 2. 'विकसित चारागाह, विकसित राजस्थान' अभियान 3. यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन (UGPF) का राष्ट्रीय सम्मेलन 4. भारतीय मानक ब्यूरो का 'विश्व मानक दिवस समारोह' : कोटा 5. 47वाँ अखिल भारतीय लेखांकन सम्मेलन : उदयपुर 6. डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक : उपभोक्ता राष्ट्रीय गौरव सम्मान:2025 से सम्मानित 7. पी.पी. चौधरी : संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी भाषा पर वक्तव्य 8. युवाओं के लिए अर्ली कैरियर प्रोग्राम (टेकबी) 9. नरवरखेड़ा (ब्यावर) में 'आरटीआई मेला' 10. राजस्थान को 'पेलिएटिव केयर' में बेस्ट प्रैक्सिसेज के लिए राष्ट्रीय सम्मान
5.	IUCN विश्व संरक्षण कांग्रेस, 2025
6.	COP-30 के लिए एजेंडा: दिल्ली घोषणापत्र
7.	रोगी प्लेनेट (Rogue Planet)
8.	वस्त्र PLI योजना
9.	प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन
10.	ऑस्ट्राहिंद, 2025 अभ्यास
11.	भारत की पहली मिसेज यूनिवर्स : शैरी सिंह
12.	अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस, 2025 : 11 अक्टूबर
13.	डाक दिवस, 2025
14.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. ह्वासोंग मिसाइल ; उ. कोरिया 2. क्लीन एनर्जी पार्क : तिब्बत 3. वैश्विक खरीदार और विक्रेता शिखर सम्मेलन, 2025 : मणिपुर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

प्रधानमंत्री धन:धान्य कृषि योजना में राजस्थान के 8 जिले शामिल

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लॉन्च की गई 'प्रधानमंत्री धन:धान्य कृषि योजना' के तहत देश के कुल 100 जिलों में से राजस्थान के 8 जिलों को शामिल किया गया है।

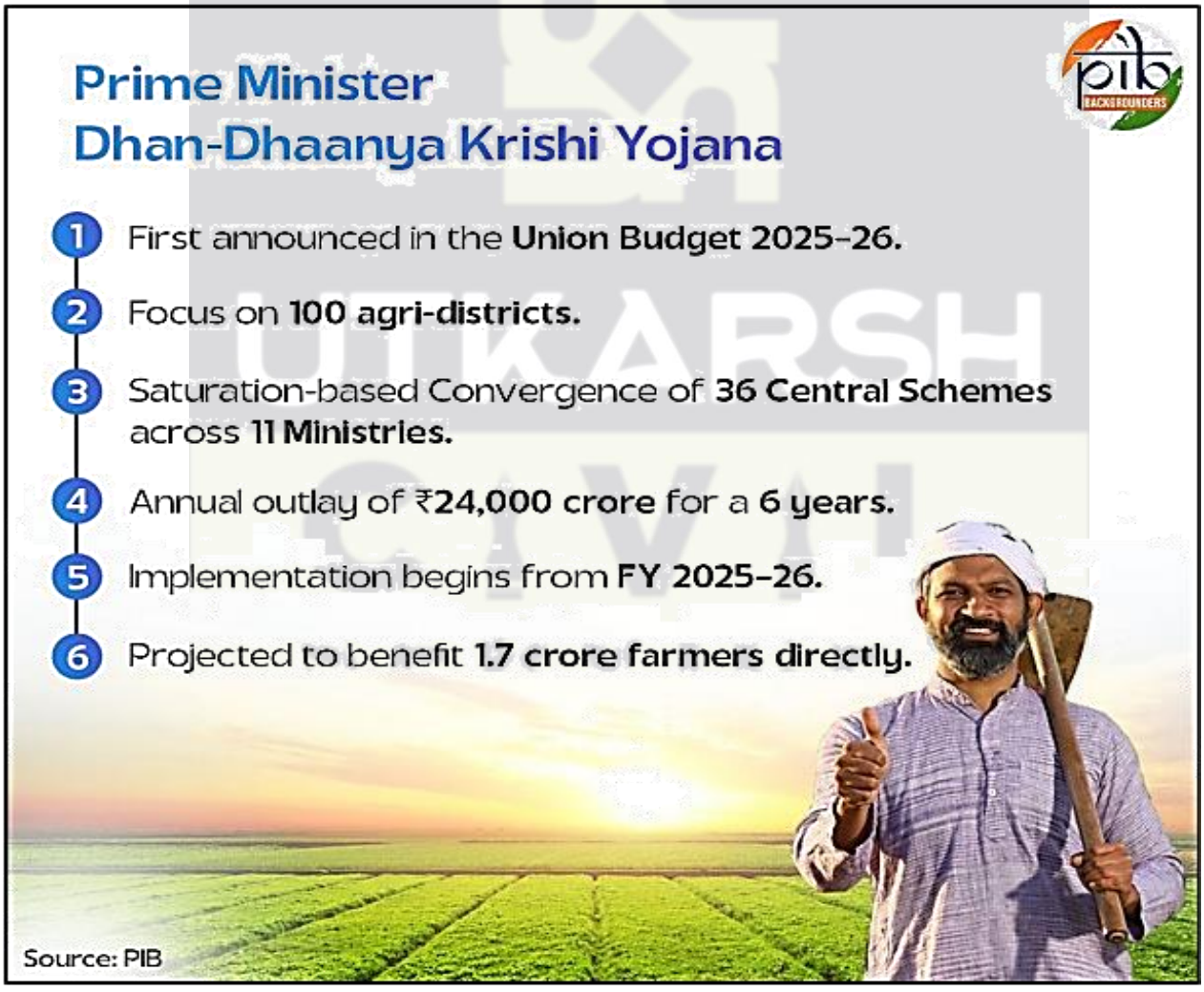

मुख्य बिन्दु:

- **8 जिलों में शामिल है :** बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, जालोर और चूरू।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इन जिलों के चयन का मुख्य आधार कम उत्पादकता, मध्यम फसल तीव्रता एवं औसत से कम ऋण उपलब्धता है।
- ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री ने 11 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR) से राष्ट्रव्यापी 'प्रधानमंत्री धन:धान्य कृषि योजना' और 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' की शुरूआत की।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही फसल विविधीकरण, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना है। इसके लिए कृषि, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण विकास एवं जल संसाधन सहित 11 विभागों को जोड़ा गया है।
- राज्यस्तरीय कार्यक्रम : कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा (जयपुर) में।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

राजस्थान में प्रमुख कृषि अनुसंधान संस्थान :

संस्थान का नाम	स्थान
राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (RARI)	जयपुर
केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI)	जोधपुर
केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (CIAH)	बीकानेर
रेपसीड एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय	भरतपुर
कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी)	जोधपुर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (अब तक की प्रगति)

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा 19 फरवरी, 2024 को शुरू की गई 'मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (MAA) योजना' (मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना) के तहत अक्टूबर, 2025 तक लगभग 50 लाख गंभीर रोगियों को कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया जा चुका है।

मुख्य बिन्दु:

- योजना में वर्तमान में 1 करोड 34 लाख़ परिवार पंजीकृत हैं। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025:26 के बजट में घोषित 132 नवीन पैकेज योजना में जोड़े हैं।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना :

- **शुरूआत :** 1 मई, 2021 को।
- **पूर्व नाम :** मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (19 फरवरी, 2024 से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना)
- **उद्देश्य :** चिकित्सा सेवाओं के लिए सरकारी और निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाना।
- **लाभार्थी :** NFSA/SECC/छोटे और सीमांत किसान/संविदाकर्मी/COVID/अनुग्रह योजना/EWS/वरिष्ठ नागरिक (70 वर्ष से अधिक आयु वाले) को नि:शुल्क उपचार।
- शेष आबादी को ₹850 प्रति परिवार वार्षिक प्रीमियम का भुगतान करके इस योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है।
- प्रीमियम की शेष राशि (₹1115) का भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा।

प्रति परिवार कुल प्रीमियम : ₹1965

- **प्रतिवर्ष परिवार बीमा राशि :** ₹25 लाख।
- **बीमा मोड :** ₹5 लाख।
- **ट्रस्ट मोड :** ₹20 लाख।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- अंग प्रत्यारोपण और कोक्लियर इम्प्लांट विशेष पैकेज भी शामिल है और अन्य राज्यों में प्रतिपूर्ति का विकल्प उपलब्ध है।
- इस योजना में कुल 1819 उपचार पैकेज शामिल है।
- **बीमा मोड** : 1761 पैकेज।
- **ट्रस्ट मोड :** 58 पैकेज।
- चिकित्सालयों में भर्ती होने के 5 दिन पूर्व तथा 15 दिन पश्चात का खर्च शामिल।
- बजट घोषणा 2024 के अनुसार कैंसर के 73 दिवस कैंसर पैकेज योजना में शामिल है।
- इसी के साथ प्रदेश नि:शुल्क यूनिवर्सल हेल्थ केयर उपलब्ध करवाने वाला एकमात्र राज्य बन गया है।

MAA कोष (₹3500 करोड़ की राशि के साथ वित्तीय वर्ष 2025-2526 के राज्य बजट में घोषणा) :

- नि:शुल्क जाँच एवं दवा हेतु 3500 करोड़ रुपये का।
- **नोट :** इस योजना के तहत अंग प्रत्यारोपण का राज्य में नि:शुल्क उपचार उपलब्ध है, जबकि अन्य राज्यों में अंग प्रत्यारोपण करवाए जाने पर व्यय राशि का पैकेज की सीमा राशि तक पुनर्भरण एवं मरीज एवं एक परिजन को हवाई यात्रा टिकट का भी पुनर्भरण किया जाता है।
- योजनान्तर्गत राज्य के बाहर के पात्र मरीजों को भी प्रदेश में उपचारित किया जा रहा है एवं अन्य राज्यों मे उपचार देने हेतु आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी पर कार्यवाही जारी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जल संचय:जन भागीदारी:जन आंदोलन कार्यक्रम : मंड्रेला (झुँझुनूँ)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' के तहत झुँझुनूँ के मंड्रेला में 'जल संचय:जन भागीदारी:जन आंदोलन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- कार्यक्रम में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भाग लिया।
- मुख्यमंत्री द्वारा शेखावाटी में 'कुम्भाराम जल परियोजना' (इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लिफ्ट केनाल) के तहत ₹1.25 करोड़ रुपये की घोषणा की गई।
- साथ ही, सूरत के रूंगटा ग्रुप के चैयरमेन अनील रूंगटा को झुंझुनूं में जल संचयन प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- राजस्थान सरकार द्वारा शेखावाटी में जल आपूर्ति हेतु हरियाणा सरकार के साथ यमुना जल समझौता सम्पन्न किया है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान :

- 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' जल संचयन में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल "कैच द रेन" से प्रेरित है।
- इस कार्यक्रम का शुभारंभ 15 जनवरी, 2025 को सांगानेर (जयपुर) से जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा किया गया।
- इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं के माध्यम से वर्षा के पानी और सतही जल की हर बूंद को बचाना, संचित करना और पुनः उपयोग के लिए पुनर्भरण करना है।
- **नोट :** 11 अगस्त, 2025 को झुँझुनूँ में ही 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा क्लेम भुगतान कार्यक्रम' का आयोजन किया गया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**प्रदेश का पहला 'कंगारू मदर केयर लाउंज'** ■ हाल ही में, राजस्थान के जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने उदयपुर के खेरवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में राजस्थान के पहले 'कंगारू मदर केयर लाउंज' का लोकार्पण किया। ■ यह यूनिट मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाली एक अभिनव पहल है। ■ कंगारू मदर केयर यूनिट जीरो सेपरेशन पॉलिसी पर आधारित है। इसके तहत मां और शिशु को अलग न रखकर निरंतर साथ रखने की व्यवस्था की गई है।
2.	**'विकसित चारागाह, विकसित राजस्थान' अभियान** ■ **संचालन :** ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग। ■ **उद्देश्य :** ग्राम स्तर पर चारागाह भूमि, नाड़ी, तालाब और ओरण जैसी प्राकृतिक परिसंपत्तियों के विकास को ग्राम सभा की कार्य योजना में सम्मिलित करना। ■ इन परिसंपत्तियों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGA) की वार्षिक कार्य योजना 2026–2027 में शामिल करना।
3.	**यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन (UGPF) का राष्ट्रीय सम्मेलन** ■ **आयोजन :** 11 व 12 अक्टूबर, 2025 ■ **स्थान :** लक्ष्मी निवास पैलेस, बीकानेर। ■ **विषय :** HR:CSR on "सर्वे भवन्तु सुखिनः" ■ **उद्देश्य :** भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को आधुनिक एनवायरनमेंटल, सोशल, गवर्नेंस (ESG) ढाँचे से जोड़ना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**भारतीय मानक ब्यूरो का 'विश्व मानक दिवस समारोह' : कोटा** ■ हाल ही में, कोटा में भारतीय मानक ब्यूरो का 'विश्व मानक दिवस समारोह' आयोजित किया गया। ■ भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है जिसकी स्थापना वर्ष 1947 में हुई। ■ **मुख्य कार्य :** वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों का सामंजस्यपूर्ण विकास और उससे जुड़े या उसके प्रासंगिक मामलों की देखरेख करना। ■ BIS उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तत्वावधान में काम करता है। ■ विश्व मानक दिवस प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को मनाया जाता है।
5.	**47वाँ अखिल भारतीय लेखांकन सम्मेलन : उदयपुर** ■ **आयोजन :** उदयपुर में। ■ **आयोजक :** भारतीय लेखांकन परिषद (उदयपुर शाखा) और राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में। ■ **उद्घाटन :** राजस्थान के राज्यपाल द्वारा।
6.	**डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक : उपभोक्ता राष्ट्रीय गौरव सम्मान:2025 से सम्मानित** ■ हाल ही में, उपभोक्ता सुरक्षा संगठन, नई दिल्ली द्वारा महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलगुरु डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचारपूर्ण कार्यों एवं समाजोन्मुख सेवा के लिए 'उपभोक्ता राष्ट्रीय गौरव सम्मान:2025' से सम्मानित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

7.	**पी.पी. चौधरी : संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी भाषा पर वक्तव्य** ■ हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाली के सांसद, पूर्व केन्द्रीय राज्य मन्त्री और एक राष्ट्र एक चुनाव संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित हिन्दी दिवस वार्षिक समारोह में राजभाषा हिन्दी और उसकी प्रगति में भारत के द्वारा किए गए प्रयासों को विश्व समुदाय के समक्ष रखा।
8.	**युवाओं के लिए अर्ली कैरियर प्रोग्राम (टेकबी)** ■ राजस्थान सरकार द्वारा बारहवीं कक्षा के तुरंत बाद राज्य के युवाओं के लिए कौशल उन्नयन और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से अर्ली कैरियर प्रोग्राम (टेकबी) संचालित किया जा रहा है।
9.	**नरवरखेड़ा (ब्यावर) में 'आरटीआई मेला'** ■ सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम के लागू होने के उपलक्ष्य में 12 अक्टूबर, 2025 को ब्यावर जिले के नरवरखेड़ा गांव में 'आरटीआई मेला' आयोजित किया गया। ■ RTI माँग को लेकर 6 अप्रैल, 1996 को ब्यावर जिले के चांग गेट पर पहला विरोध प्रदर्शन हुआ था, जिसमें मज़दूर किसान शक्ति संगठन ने सूचना में पारदर्शिता लाने के लिए 40 दिनों का धरना दिया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

10.	**राजस्थान को 'पेलिएटिव केयर' में बेस्ट प्रैक्सिसेज के लिए राष्ट्रीय सम्मान** ■ राजस्थान ने पेलिएटिव केयर सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं बेस्ट प्रेक्टिसेज के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया। ■ इस उपलब्धि हेतु राजस्थान को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। ■ पेलिएटिव केयर (Palliative care) एक विशेष देखभाल है जो गंभीर या लाइलाज बीमारियों वाले रोगियों को उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने और दर्द व अन्य लक्षणों को कम करने में मदद करती है। यह किसी बीमारी को ठीक करने के बजाय उसके प्रबंधन और रोगी की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

IUCN विश्व संरक्षण कांग्रेस, 2025

चर्चा में क्यों?

- **IUCN विश्व संरक्षण कांग्रेस, प्रकृति के लिए कार्रवाई को गति देने हेतु आयोजित होने वाला संरक्षण विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, व्यावसायिक नेताओं और वैज्ञानिकों का विश्व का सबसे बड़ा सम्मेलन है।**

आईयूसीएन (IUCN : International Union for Conservation of Nature) के बारे में

- यह विश्व के सबसे बड़े और सबसे विविध पर्यावरण नेटवर्क के रूप में विकसित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है।
  - इसके द्वारा जारी की जाने वाली रेड लिस्ट (Red List) विश्व की सबसे व्यापक सूची है, जिमसें पौधों और जानवरों की प्रजातियों की वैश्विक संरक्षण की स्थिति को दर्शाया जाता है
- यह एक सदस्यता संघ है जो विशिष्ट रूप से सरकार और नागरिक समाज दोनों संगठनों से बना है।
  - **स्थापना** वर्ष 1948 तथा **मुख्यालय** ग्लैंड (स्विट्जरलैंड)

मुख्य बिन्दु:

- **IUCN संयुक्त राष्ट्र में पर्यवेक्षक की भूमिका निभाता है और कई अंतरराष्ट्रीय संरक्षण संधियों का समर्थन करता है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **आयोजन :** 9 से 15 अक्टूबर, 2025 तक अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में (प्रत्येक चार वर्ष में)।
- **थीम :** "परिवर्तनकारी संरक्षण को सशक्त बनाना"।
- **उद्देश्य :** वैश्विक संरक्षण एजेंडा निर्धारित करना, पर्यावरण शासन को मजबूत करना, प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करना और संरक्षण जिम्मेदारियों का समान वितरण सुनिश्चित करना।
- **मेजबान देश :** संयुक्त अरब अमीरात।
- **प्रतिभागी देश :** 140 देश।

महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **IUCN वर्ल्ड हेरिटेज आउटलुक 4:** अबू धाबी में IUCN कांग्रेस में जारी IUCN वर्ल्ड हेरिटेज आउटलुक 4 के अनुसार, जलवायु परिवर्तन विश्व के प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थलों के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरा है, जिससे लगभग आधे स्थल प्रभावित हो रहे हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 43 प्रतिशत प्राकृतिक स्थल अब गंभीर जलवायु संबंधी जोखिमों का सामना कर रहे हैं, जो अन्य सभी दबावों से कहीं अधिक है, जबकि आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ 30 प्रतिशत स्थलों को प्रभावित कर रही हैं। वन्यजीवों और पौधों की बीमारियों से प्रभावित स्थलों की संख्या में भी तेज़ी से वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2020 में 2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 9 प्रतिशत हो गई है।
- **अंतरराष्ट्रीय रेंजर पुरस्कार, 2025 :** संरक्षित क्षेत्रों पर IUCN विश्व आयोग (WCPA) ने 13 रेंजरों और रेंजरों की टीमों को वर्ष 2025 के अंतरराष्ट्रीय रेंजर पुरस्कार प्रदान किए, जिसमें प्रकृति संरक्षण के प्रति उनके असाधारण साहस और समर्पण को सम्मानित किया गया (5,000 से 25,000 अमेरिकी डॉलर तक की वित्तीय सहायता)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इस वर्ष के प्राप्तकर्ता यूक्रेन, बुर्किना फ़ासो और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस सहित 13 देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **IUCN का नया सदस्य:** अर्मेनिया अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) का नवीनतम सदस्य बन गया है। अबू धाबी में IUCN विश्व संरक्षण कांग्रेस के दौरान की गई यह घोषणा जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए अर्मेनिया की बढ़ती प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
- **जलवायु वित्त :** जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के 29वें सम्मेलन (COP 29) के अध्यक्ष मुख्तार बाबायेव ने जलवायु वित्त को मजबूत करने और वैश्विक पर्यावरणीय ढाँचों के मध्य सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया है। बाकू से बेलेम रोडमैप के तहत् वर्ष 2035 तक विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त को कम से कम 1.3 ट्रिलियन डॉलर प्रति वर्ष तक बढ़ाने का आह्वान किया।

भारत के संदर्भ में आँकलन :

1. **डुगोंग संरक्षण रिजर्व को अंतरराष्ट्रीय मान्यता :** अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने विश्व संरक्षण कांग्रेस 2025 में भारत के प्रथम डुगोंग संरक्षण रिजर्व को आधिकारिक मान्यता प्रदान की।

डुगोंग संरक्षण रिजर्व :

- **स्थापना:** यह भारत का प्रथम डुगोंग संरक्षण रिजर्व है, जिसकी अधिसूचना 21 सितंबर, 2022 को तमिलनाडु सरकार द्वारा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत की गई।
- यह थंजावुर और पुडुकोट्टई जिलों के उत्तरी पाक खाड़ी क्षेत्र को कवर करता है।
- **क्षेत्रफल:** 448.34 वर्ग किलोमीटर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. **'गार्डियंस ऑफ द वाइल्ड' रिपोर्ट:** केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने 11 अक्टूबर, 2025 को अबू धाबी में जारी की।

3. **राष्ट्रीय रेड लिस्ट रोडमैप एवं विजन 2025–2030 :**

- **लॉन्च :** भारत
- इसमें IUCN, जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ZSI), बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (BSI) और सेंटर फॉर स्पीशीज़ सर्वाइवल का सहयोग शामिल है।
- रेड लिस्ट, एक वैज्ञानिक दस्तावेज़ के रूप में, भारत को प्राथमिकताओं की पहचान और संसाधनों के कुशल उपयोग में सहायता करेगी। इसके माध्यम से लुप्तप्राय प्रजातियों की पहचान कर केंद्रित सुरक्षा प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे।
- **राष्ट्रीय रेड डाटा बुक्स :** रेड लिस्ट रोडमैप के अंतर्गत भारत का उद्देश्य है कि वर्ष 2030 तक राष्ट्रीय रेड डाटा बुक्स प्रकाशित की जाएं। यह प्रक्रिया IUCN के वैश्विक मानकों के अनुरूप होगी और कन्वेंशन ऑन बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी (CBD) तथा कुनमिंग-मॉन्ट्रियल जैव विविधता फ्रेमवर्क के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाएगी।

- **भारत का जैव विविधता में वैश्विक परिदृश्य :** भारत विश्व के 17 मेगा जैव विविधता वाले देशों में शामिल है।
- **देश में 4 वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट हैं:**
  1. हिमालय
  2. पश्चिमी घाट
  3. इंडो-बर्मा
  4. सुंदालैंड
- भारत विश्व की 2.4 प्रतिशत भूमि पर स्थित होकर भी विश्व के 8 प्रतिशत पौधे और 7.5 प्रतिशत जीव-जंतु प्रजातियों को आश्रय देता है।
- इनमें से 28 प्रतिशत पौधे और 30 प्रतिशत जानवर स्थानिक (endemic) हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

IUCN विश्व संरक्षण कांग्रेस:

- लचीले संरक्षण कार्य को बढ़ाना : जलवायु परिवर्तन के बीच जैव विविधता को सुनिश्चित करने के लिए विज्ञान, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक सशक्तिकरण के माध्यम से संरक्षण प्रयासों का विस्तार करना।
- जलवायु परिवर्तन के जोखिम को कम करना : अपरिवर्तनीय पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए आक्रामक उत्सर्जन कटौती, अनुकूलन रणनीतियों और प्रकृति-आधारित समाधानों को लागू करना।
- समानता सुनिश्चित करना : यह सुनिश्चित करना कि संरक्षण प्रयास न्यायसंगत, समावेशी हों तथा स्वदेशी लोगों, महिलाओं, युवाओं और स्थानीय समुदायों पर केंद्रित हों।
- प्रकृति-सकारात्मक अर्थव्यवस्थाओं और समाजों में परिवर्तन: निष्कर्षण से पुनर्योजी आर्थिक मॉडल की ओर स्थानांतरण, जो पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित करता है और आजीविका को बनाए रखता है।
- संरक्षण के लिए विघटनकारी नवाचार और नेतृत्व: संरक्षण में प्रणालीगत परिवर्तन लाने के लिए साहसिक, समावेशी नेतृत्व, नई प्रौद्योगिकियों और नवीन शासन मॉडल के माध्यम से यथास्थिति को चुनौती देना।

इतिहास

- पहले, कांग्रेस हर दो साल में, फिर हर तीन साल में, और अब हर चार साल में आयोजित की जाती थी।
- शुरुआत में, कांग्रेस में केवल सभी IUCN सदस्य संगठनों की सदस्य सभा शामिल होती थी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

गत् आयोजन :

वर्ष	स्थान
1948	फॉनटेनब्लियू (पहली)
2000	अम्मान
2004	बैंकॉक
2008	बार्सिलोना
2012	जेजू
2016	हवाई
2021	मार्सिले

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN)

- **पूरा नाम :** अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (International Union for Conservation of Nature)
- **स्थापना :** 5 अक्टूबर 1948, फ्रांस के फॉनटेनब्लियू में।
- **मुख्यालय :** ग्लैंड, स्विट्जरलैंड।
- **प्रकार :** गैर-सरकारी, अंतरराष्ट्रीय संगठन।
- **उद्देश्य :** प्रकृति संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को सुनिश्चित करना।
- **सदस्यता :** लगभग 1400 सरकारी और गैर-सरकारी संगठन विश्व के 170 से अधिक देश।
- **कार्य क्षेत्र :** प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता की सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सतत विकास।
- **प्रमुख गतिविधियां :** डेटा एकत्र करना और विश्लेषण करना, अनुसंधान, क्षेत्रीय संरक्षण परियोजनाएं, पर्यावरणीय नीतियों का समर्थन, शिक्षा, जागरूकता अभियान।
- भारत वर्ष 1969 से IUCN का एक राज्य सदस्य रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रमुख उपलब्धि :

- IUCN रेड लिस्ट ऑफ थ्रेटेंड स्पीशीज, जो विश्व स्तर पर संकटग्रस्त प्रजातियों की स्थिति दर्शाती है।
- इसने सन् 1964 में संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN लाल सूची की स्थापना की। संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN लाल सूची, पौधों और पशु प्रजातियों की वैश्विक संरक्षण स्थिति की दुनिया की सबसे व्यापक सूची है।
- वर्ष 1992 में, बढ़ती पर्यावरणीय चिंताओं के मद्देनजर, संयुक्त राष्ट्र ने IUCN को आधिकारिक पर्यवेक्षक का दर्जा दिया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

COP-30 के लिए एजेंडा: दिल्ली घोषणापत्र

चर्चा में क्यों?

- **जलवायु परिवर्तन पर आगामी संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन कॉप 30 के लिए एजेंडा प्रदान करते हुए, 8 और 9 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित पहला एराइज सिटीज़ फ़ोरम 2025 का दिल्ली घोषणापत्र वैश्विक जलवायु लक्ष्यों पर स्थानीय कार्रवाई करने संबंधी प्रमुख परिणाम बनकर उभरा है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

पहला एराइज सिटीज़ फ़ोरम, 2025 :

- **आयोजन :** 8 और 9 अक्टूबर, 2025
- **एराइज़ का अर्थ :** शहरों में अनुकूली, लचीला, नवोन्मेषी और सतत एवं समतामूलक (एराइज़) विकास।
- **आयोजक :** इस फ़ोरम का आयोजन ICLEI – दक्षिण एशिया और राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान (NIUA) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
- **विषय :** '2025: भारत से बेलेम तक'।
- दक्षिण एशिया क्षेत्र में स्थानीय सरकारों के इस प्रमुख शहरी लचीलापन प्रमुख मंच का केंद्र भारत होगा।
- इसमें सतत शहरीकरण, जलवायु और ऊर्जा, जैव विविधता और समता के आयामों पर भारत के दृष्टिकोण से, एशिया प्रशांत क्षेत्र में और वैश्विक दक्षिण के शहरों तक, विचार-विमर्श किया।

समापन पर स्वीकृत : दिल्ली घोषणापत्र :

- यह घोषणापत्र, मज़बूत बहुस्तरीय सहयोग और त्वरित शहरी जलवायु कार्रवाई के साझा आह्वान द्वारा विभिन्न विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व करता है।
- दिल्ली घोषणापत्र को शहरी महत्वाकांक्षा के सामूहिक वक्तव्य के रूप में ब्राजील के बेलेम में होने वाले तीसवें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के अध्यक्ष को सौंपा गया, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के अनुकूल, न्यायसंगत और संधारणीय जलवायु कार्रवाई आगे बढ़ाने में शहरों के नेतृत्व को रेखांकित करेगा।
- यह घोषणापत्र जलवायु परिवर्तन से निपटने में उत्सर्जन कटौती के राष्ट्रीय स्तर पर संशोधित योगदान NDC 3.0, जलवायु वित्त समानता और वैश्विक नीति में स्थानीय प्राथमिकताओं के व्यवस्थित समावेश द्वारा उप-राष्ट्रीय योगदानों को मान्यता देने के लिए स्थानीय सरकार और नगरपालिका प्रशासन -LGMA की दीर्घकालिक वकालत मज़बूत करता है।
- घोषणापत्र में विकासशील देशों में स्थानीय और उप-राष्ट्रीय शासन के मार्गदर्शन के लिए साझा प्रतिबद्धताओं की रूपरेखा दी गई है:
  1. उन्नत, मापनीय और संसाधनयुक्त बहुस्तरीय NDC के माध्यम से स्थानीय जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. अनुकूलन, चक्रीयता और प्रकृति-आधारित समाधानों को समेकित कर समावेशी शहरी स्थिति अनुकूलता को बढ़ावा देना।
3. वातावरण में छोड़ी गई ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा वायुमंडल से हटाकर या अवशोषित कर शून्य उत्सर्जन हासिल करना ओर न्यायसंगत और सहभागी हरित परिवर्तनों को बढ़ावा देना।
4. जलवायु शासन में नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और समुदायों को सशक्त बनाना।
5. बहुस्तरीय शासन और पारदर्शी डेटा प्रणालियों को मज़बूत करना।
6. जलवायु वित्तीय संसाधन जुटाना और शहरों के लिए सीधी पहुंच विस्तारित करना।
7. विकासशील देशों और त्रिकोणीय सहयोग द्वारा विकासशील देशों में शहरी नेतृत्व को बढ़ावा देना।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

वैश्विक जलवायु एजेंडा :

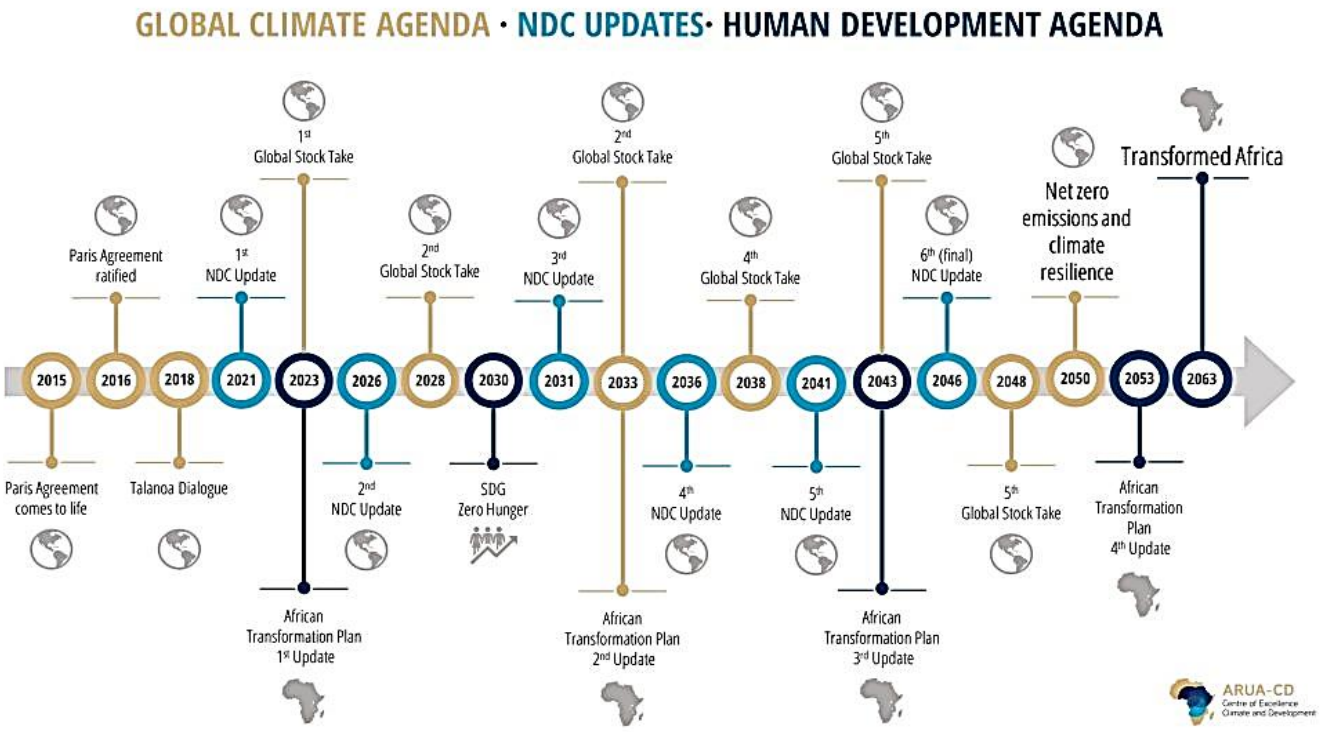

COP-30:

- 2025 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (UNFCCC COP-30) नवंबर, 2025 में ब्राज़ील के बेलेम में आयोजित किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

COP-30 के मुख्य विषय:

1. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना।
2. जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन।
3. विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त।
4. नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियां और कम कार्बन समाधान।
5. वनों और जैव विविधता का संरक्षण।
6. जलवायु न्याय और जलवायु परिवर्तन के सामाजिक प्रभाव।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

रोगी प्लेनेट (Rogue Planet)

चर्चा में क्यों?

- खगोलविदों ने हाल ही में एक युवा रोग प्लेनेट (ग्रह) खोजा है, जो अपने आस-पास के पदार्थ को सक्रिय रूप से आकर्षित व संचित कर रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- **परिभाषा:** रोग प्लेनेट वह ग्रहीय पिंड होता है, जो अपनी मूल प्रणाली से बाहर निकल गया होता है और जो अब अंतरतारकीय अंतरिक्ष में स्वतंत्र रूप से गमन कर रहा होता है।
- **कक्षा (Orbit):** सामान्य ग्रहों के विपरीत, रोग प्लेनेट किसी तारे की परिक्रमा नहीं करता, बल्कि स्वतंत्र रूप से अंतरिक्ष में घूमता रहता है।
- रोग प्लेनेट का अध्ययन करने से ग्रहों के निर्माण की प्रक्रिया, ग्रह प्रणालियों की गतिशीलता और अंतरतारकीय मैटर के साथ उनकी परस्पर क्रिया को समझने में मदद मिलती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

वस्त्र PLI योजना

चर्चा में क्यों?

- वस्त्र मंत्रालय ने वस्त्र क्षेत्रक के लिए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना में बड़े संशोधनों की अधिसूचना जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- मुख्य संशोधनों में पात्र उत्पादों के दायरे का विस्तार, निवेश और टर्नओवर की शर्तों में कमी आदि शामिल हैं।

वस्त्र क्षेत्रक के लिए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना:

- **मंत्रालय:** वस्त्र मंत्रालय।
- **उद्देश्य:** मानव निर्मित फाइबर (MMF) परिधान और कपड़ों एवं तकनीकी वस्त्रों का उत्पादन बढ़ाना।
- **अवधि:** 2021 से 2030 तक। प्रोत्साहन 5 वर्षों के लिए दिया जाएगा।
- **निगरानी और कार्यान्वयन:** सचिवों के अधिकार प्राप्त समूह द्वारा, जिसे DPIIT ने गठित किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा, नई, दिल्ली से ''प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना'' और ''दलहन आत्मनिर्भरता मिशन'' का शुभारंभ एवं कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1100 करोड़ रुपये से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

दलहन आत्मनिर्भरता मिशन :

- **घोषणा :** केंद्रीय बजट 2025-26
- **उद्देश्य :** दालों के उत्पादन एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना।
- **समयावधि :** 6 वर्ष (2025–26 से 2030-31)।
- **बजट आवंटन :** 1,000 करोड़ रुपए।
- **लक्ष्य :** वर्ष 2029 तक देश में दालों की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर भारत की निर्भरता को समाप्त करना।
- **विशेष फोकस :** व्यापक रूप से उपभोग वाली तीन प्रमुख किस्मों तुअर (अरहर), उड़द एवं मसूर के उत्पादन पर विशेष फोकस।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PM-DDKY) :

- **घोषणा :** केंद्रीय बजट 2025–26
- **वार्षिक परिव्यय :** 24,000 करोड़ रुपए।
- **समयावधि :** 6 वर्ष (2025-26 से 2030-31 तक) ।
- **उद्देश्य :** नीति आयोग के आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम से प्रेरित करते हुए 100 पिछड़े ज़िलों में कृषि उत्पादकता को बढ़ाना है। यह लक्ष्य बेहतर सिंचाई, भंडारण, ऋण की पहुँच और संधारणीय कृषि पद्धतियों के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह योजना 11 केंद्रीय मंत्रालयों की 36 योजनाओं को एकीकृत करके एक एकीकृत कृषि सहायता प्रणाली का निर्माण करती है, जिनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (नकद हस्तांतरण), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (फसल बीमा) और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (सिंचाई) शामिल हैं।

ज़िला चयन के मानदंड :

- **राज्यों में संतुलित प्रतिनिधित्व :** चयन में प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश की शुद्ध बोई गई भूमि और परिचालन कृषि जोतों के अनुपात को ध्यान में रखा जाएगा।
- **अल्प ऋण वितरण :** ऐसे क्षेत्र जहाँ किसानों को वित्तीय संसाधनों की सीमित उपलब्धता है, अर्थात् ज़िले के कुल किसानों में से 30 प्रतिशत से कम को ऋण सुविधा प्राप्त है।
- **निम्न उत्पादकता :** प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादन में कमी वाले ज़िले अर्थात् ज़िले जिनकी उपज राष्ट्रीय औसत से कम है।
- **कम फसल सघनता :** जहाँ फसलों की विविधता कम है या वार्षिक फसल चक्र अपर्याप्त हैं।
- प्रत्येक राज्य से कम-से-कम एक ज़िला अनिवार्य रूप से चुना जाएगा, जिससे क्षेत्रीय संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके।

क्रियान्वयन और निगरानी :

- PMDDKY कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत संचालित होगी।
- प्रत्येक चयनित ज़िले में डिस्ट्रिक्ट धन-धान्य कृषि योजना (DDKY) समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता ज़िला कलेक्टर करेंगे।
- यह समिति ज़िला कृषि विकास योजना (District Agriculture Development Plan- DADP) को लागू करने के लिये ज़िम्मेदार होगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- समन्वय में स्थानीय प्रशासन, कृषि विभाग और 100 नियुक्त केंद्रीय नोडल अधिकारी (मुख्यतः संयुक्त सचिव स्तर) शामिल होंगे, जो योजना के क्रियान्वयन और प्रदर्शन की निगरानी करेंगे।
- **अपेक्षित परिणाम :** यह योजना देशभर के लगभग 1.7 करोड़ किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित करेगी।
- पीएम धन-धान्य कृषि योजना के तहत स्थानीय स्तर पर पशु स्वास्थ्य अभियान शुरू किये जायेंगे तथा आंध्रप्रदेश में एकीकृत डेयरी और पशु चारा संयंत्र की स्थापना की जाएगी।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का महत्त्व :

कृषिगत समस्याएं	उत्तरदायी कारक	प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PM-DDKY) के समाधान
निम्न आय	जागरूकता में कमी और बिचौलियों पर निर्भरता।	दाल और सब्जियों जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहन दिया जाएगा, तथा e-NAM व नई PMDDKY ऐप जैसी डिजिटल प्लेटफॉर्म से किसानों को खरीदारों से सीधे जोड़ा जाएगा।
कम उत्पादकता	कम उर्वर मृदा, परंपरागत कृषि, सिंचाई सुविधा का अभाव और जोतों का आकार कम।	उच्च उत्पादकता वाले बीज, जैव उर्वरक, और सीड ड्रिल जैसे आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराए जाएँगे।
सिंचाई की कमी	भारत की 52 प्रतिशत कृषि भूमि सिंचाई के लिए मानसूनी वर्षा पर निर्भर है।	सूखा क्षेत्रों में सालभर खेती संभव बनाने के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियां उपलब्ध कराई जाएंगी।
वित्त का अभाव	कृषिगत उपकरणों की कमी।	किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) और नाबार्ड (NABARD) के माध्यम से सब्सिडी और ऋण की सुविधा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अवसंरचना की कमी	ICAR, 2023 के अनुसार टमाटर और आम जैसी 20 प्रतिशत फसलें कोल्ड स्टोरेज की सुविधा की कमी के कारण खराब हो जाती हैं।	गाँव और ब्लॉक स्तर पर गोदाम और कोल्ड स्टोरेज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी
असंधारणीय कृषि-पद्धतियाँ	रसायनों, कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग।	जैव-उर्वरकों का उपयोग और जलवायु-अनुकूल फसलों पर जोर दिया गया।
प्रशिक्षण और कौशल की कमी	निरक्षरता, जागरूकता में कमी और महिलाओं की कम भागीदारी।	नि:शुल्क कार्यशाला : कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), कृषि विश्वविद्यालय और निजी साझेदारों द्वारा आधुनिक खेती, ड्रोन उपयोग और मधुमक्खी पालन जैसी सहायक गतिविधियों पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। इजरायल (ड्रिप सिंचाई), जापान (प्रिसिजन फार्मिंग), और नीदरलैंड (ग्रीनहाउस तकनीक) जैसे देशों में 500 किसानों को प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा और इसका पूरा खर्च सरकार उठाएगी। महिला सशक्तिकरण: 10,000 महिला कृषि-उत्पादक समूहों को प्रशिक्षण और ऋण उपलब्ध कराया जाएगा; तथा डेयरी, जैविक खेती जैसी गतिविधियों के लिए कृषि मंडी से जोड़ने में सहायता की जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना बनाम अन्य योजनाएं :

योजना का नाम	प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना	प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
मुख्य विशेषता	किसानों को ₹6,000/वर्ष नकद हस्तांतरण।	फसल नुकसान का बीमा	सिंचाई विकास (ड्रिप, स्प्रिंकलर)	राज्य-स्तरीय कृषि परियोजनाएँ
दायरा	सिंचाई, भंडारण, बाजार, प्रशिक्षण को एकीकृत करता हैं।	ऋण, तकनीक, अवसंरचना शामिल करता है।	सिंचाई, भंडारण, ऋण, संबद्ध क्षेत्रों को कवर करता है।	राष्ट्रीय समन्वय, जिला-विशिष्ट योजना

भारत की दलहन में स्थिति :

- भारत विश्व स्तर पर दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक (25 प्रतिशत), उपभोक्ता (27 प्रतिशत) और आयातक (14 प्रतिशत) है।
- **आयात :** कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार, मोजाम्बिक, तंजानिया, सूडान एवं मलावी से दालों का आयात करता है।
- गत् पाँच वर्षों में दालों के कुल उत्पादन में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- **भारत में शीर्ष उत्पादक राज्य (2022-23) :** मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक हैं।
- कुल दलहन उत्पादन में विभिन्न फसलों का योगदान : चना (47%) > तुअर (अरहर) > उड़द > मूंग

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सैन्य अभ्यास

ऑस्ट्राहिंद, 2025 अभ्यास

मुख्य बिन्दु:

- **देश :** भारत व ऑस्ट्रेलिया
- **आयोजन :** 13 से 26 अक्टूबर, 2025 तक ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में (वार्षिक अभ्यास)।
- **संस्करण :** चौथा।
- **उद्देश्य :** सैन्य सहयोग को बढ़ाना, अंतर-संचालन में सुधार करना तथा भाग लेने वाली सेनाओं को शहरी या अर्ध-शहरी इलाकों में उप-पारंपरिक युद्ध के क्षेत्र में रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करना।
- **भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व :** गोरखा राइफल्स की एक बटालियन और अन्य सैन्य टुकड़ियों द्वारा किया जा रहा है।
- यह अभ्यास खुले और अर्ध-रेगिस्तानी इलाकों में संयुक्त कंपनी-स्तरीय अभियानों पर केंद्रित होगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

व्यक्तित्व

भारत की पहली मिसेज यूनिवर्स : शैरी सिंह

मुख्य बिन्दु:

48वीं मिसेज यूनिवर्स प्रतियोगिता, 2025:

- **आयोजन:** 8 और 9 अक्टूबर, 2025 को ओकाडा, मनीला (फिलिपींस)
- **थीम:** "महिलाओं का सशक्तिकरण एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता"।
- **प्रतिभागी :** विभिन्न देशों की 122 महिलाएँ।
- प्रतियोगिता में प्रतियोगियों का स्वभाव, बुद्धिमत्ता, खूबसूरती समेत कई बिंदु शामिल रहे।

मिसेज यूनिवर्स 2025 के परिणाम :

- **विजेता :** शेरी सिंह (यह खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला हैं।)
- **प्रथम रनर-अप:** सेंट पीटर्सबर्ग
- **द्वितीय रनर-अप:** फिलिपींस
- **तृतीय रनर-अप:** एशिया
- **चतुर्थ रनर-अप:** रूस

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण दिवस

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस, 2025 : 11 अक्टूबर

मुख्य बिन्दु:

- 11 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर, 2011 में प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से घोषित किया गया था।
- इतिहास में पहली बार वर्ष 1995 में बीजिंग डिक्लेरेशन एंड प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन ने लड़कियों के अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिये एक कार्ययोजना का प्रस्ताव रखा।
- **पहली बार आयोजन :** 11 अक्टूबर, 2012
- **2025 की थीम :** "द गर्ल आई एम, द चेंज आई लीड: गर्ल्स ऑन द फ्रंटलाइन्स ऑफ क्राइसिस।"

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

राष्ट्रीय बालिका दिवस : प्रतिवर्ष 24 जनवरी।

- **उद्देश्य :** संपूर्ण भारत में बालिकाओं के अधिकारों, सशक्तीकरण और क्षमता को बढ़ावा देना।
- **2025 का विषय :** "उज्ज्वल भविष्य हेतु बालिकाओं को सशक्त बनाना"।
- **स्थापना :** महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
- **पहली बार आयोजन :** वर्ष 2008
- **फोकस क्षेत्र :** शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और लैंगिक समानता।
- **बालिकाओं के विकास हेतु पहल:**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत में बालिकाओं की स्थिति :

- 2011 की जनगणना के अनुसार, 0-6 वर्ष की आयु वर्ग में बाल लिंगानुपात प्रति 1,000 लड़कों पर 914 लड़कियाँ है।
- **बाल विवाह :** लगभग 36.8 प्रतिशत लड़कियों की शादी 18 वर्ष की कानूनी उम्र से पहले कर दी जाती है।
- **स्वास्थ्य असमानताएँ :** कुपोषण और अपर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल के कारण लड़कों की तुलना में लड़कियों की मृत्यु दर अधिक होती है और जीवन प्रत्याशा कम होती है।
- **साक्षरता दर :** भारत में महिला साक्षरता दर लगभग 68 प्रतिशत है, जबकि पुरुषों के लिए यह 84.7 प्रतिशत है (जनगणना 2011)।
- **लिंग अनुपात :** राष्ट्रीय लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएं है (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार)।

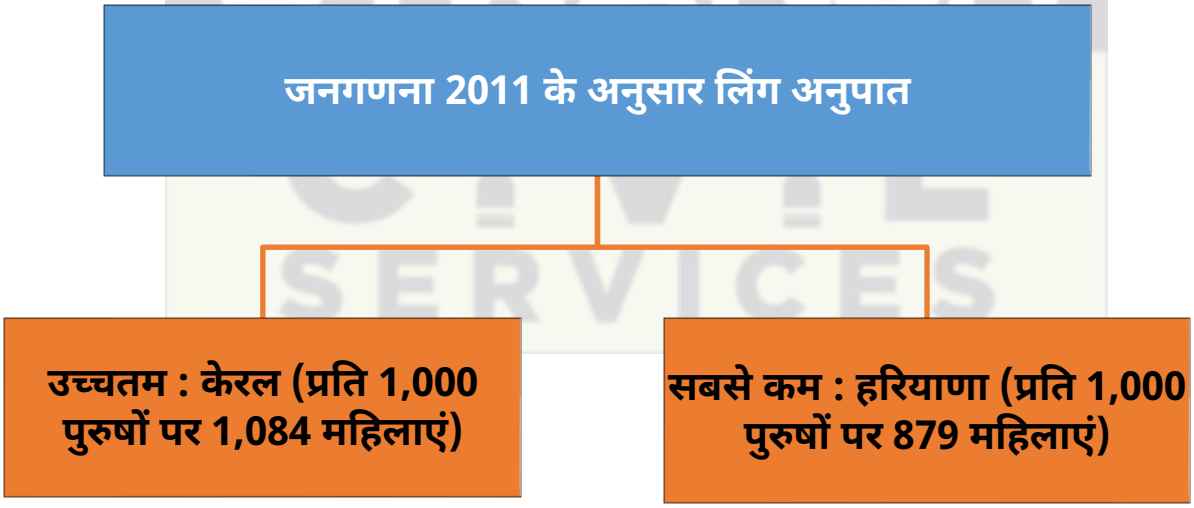

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

डाक दिवस, 2025

चर्चा में क्यों?

- 29 अगस्त, 2025 को विद्युत मंत्रालय

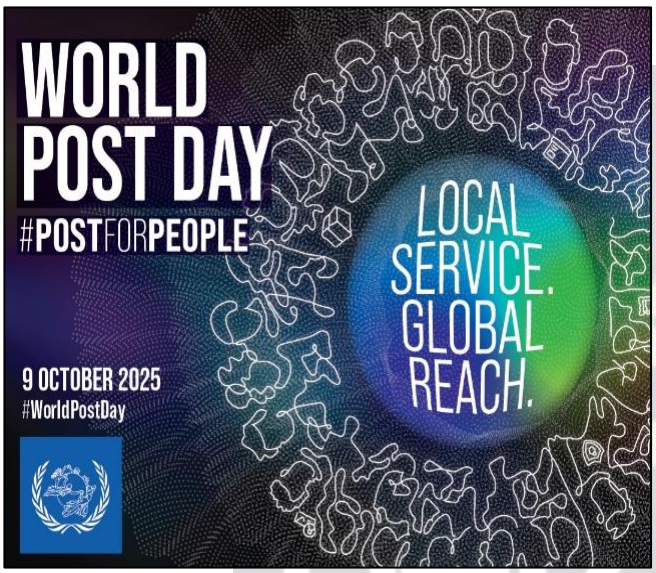

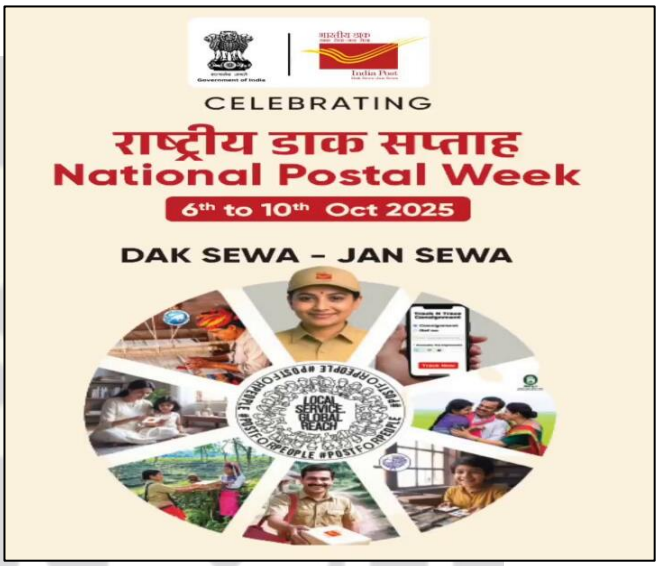

मुख्य बिन्दु:

■ **विश्व डाक दिवस, 2025 :** 9 अक्टूबर	■ **राष्ट्रीय डाक दिवस, 2025 :** 10 अक्टूबर
■ **स्थापना :** इस दिवस की घोषणा वर्ष 1969 में टोक्यो में आयोजित यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस द्वारा यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU) की 1874 में स्थापना की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में की गई थी।	■ **स्थापना :** वर्ष 1982, भारत सरकार द्वारा घोषित। ■ **मंत्रालय :** संचार मंत्रालय, भारत सरकार। ■ **भाग :** राष्ट्रीय डाक सप्ताह (6 से 10 अक्टूबर, 2025) का।
■ **उद्देश्य :** लोगों और व्यवसायों के दैनिक जीवन में डाक की भूमिका के साथ-साथ वैश्विक सामाजिक और आर्थिक विकास में इसके योगदान के बारे में जागरूकता लाना।	■ **उद्देश्य :** भारत डाक की विरासत और राष्ट्रीय संचार, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय समावेशन में बदलते भूमिका का उत्सव मनाना।
■ **2025 का विषय :** "लोगों के लिए पोस्ट: स्थानीय सेवा। वैश्विक पहुंच।" (पोस्ट फॉर पीपल, लोकल सर्विस, ग्लोबल रीच)	

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय डाक सप्ताह (6 से 10 अक्टूबर, 2025) ;

दिनांक	विवरण
06-10-2025	टेक्नोलॉजी दिवस (डाक सप्ताह का प्रारंभ)
07-10-2025	वित्तीय समावेशन दिवस
08-10-2025	फिलाटेली (डाक टिकट संग्रहण) एवं नागरिक केंद्रित सेवा दिवस
09-10-2025	विश्व डाक दिवस
10-10-2025	ग्राहक दिवस

राष्ट्रीय डाक का इतिहास :

अवधि/ वर्ष	विकास
पूर्व-औपनिवेशिक काल	रॉयल और प्रशासनिक संदेशों के लिए घुड़सवार (संदेशवाहक)।
1774	वॉरेन हेस्टिंग्स ने भारत में पहला संगठित डाक प्रणाली स्थापित की।
1854	लॉर्ड दलहौजी ने आधुनिक डाक सेवा की स्थापना की और ऑल-इंडिया पोस्टल एक्ट लागू किया।
1876	भारत यूनिवर्सल पॉस्टल यूनियन (UPU) का सदस्य बना।
1972	छह-अंकों की पोस्टल इंडेक्स नंबर (PIN) प्रणाली लागू।
1982	भारत सरकार ने 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय डाक दिवस घोषित किया।
1986	स्पीड पोस्ट की शुरुआत।
2012	IT मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट लागू, डाक संचालन को डिजिटल किया गया।
2018	ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बैंकिंग और डिजिटल भुगतान सेवा प्रदान करने के लिए इण्डिया पोस्ट पेमेन्ट बैंक (IPPB) की शुरुआत।
2025	इण्डिया पोस्ट को "राष्ट्रीय सार्वजनिक लॉजिस्टिक्स संगठन" और "ग्रामीण अर्थव्यवस्था उत्प्रेरक" में परिवर्तित करने का प्रस्ताव, जिसमें क्रेडिट, बीमा और ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स शामिल।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**ह्वासोंग मिसाइल ; उ. कोरिया** ■ हाल ही में, उत्तर कोरिया ने एक सैन्य परेड में अपनी नवीनतम और सबसे शक्तिशाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल ह्वासोंग का प्रदर्शन किया। **विशेषताएं :** ■ इसमें 15 हजार किमी तक मार करने में सक्षम अत्याधुनिक ह्वासोंग-11MA हाइपरसोनिक मिसाइल और ह्वासोंग-20 इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल को प्रदर्शित किया गया। ■ यह मिसाइल अमरीका तक मार करने में सक्षम है।
2.	**क्लीन एनर्जी पार्क : तिब्बत** ■ चीन ने तिब्बत के पठार पर 10 हजार फीट की ऊंचाई पर 420 वर्ग किमी में फैला दुनिया का सबसे बड़ा 'क्लीन एनर्जी पार्क' तैयार किया है। ■ **कुल उत्पादन :** 29 हजार मेगावाट। ■ तालातन सोलर पार्क चीन के पश्चिमी प्रांत छिंगहाई के गोंघे काउंटी में है। ■ यहां सोलर के साथ-साथ विंड टर्बाइन और हाइड्रोपावर डैम भी लगाए गए हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. **वैश्विक खरीदार और विक्रेता शिखर सम्मेलन, 2025 : मणिपुर**

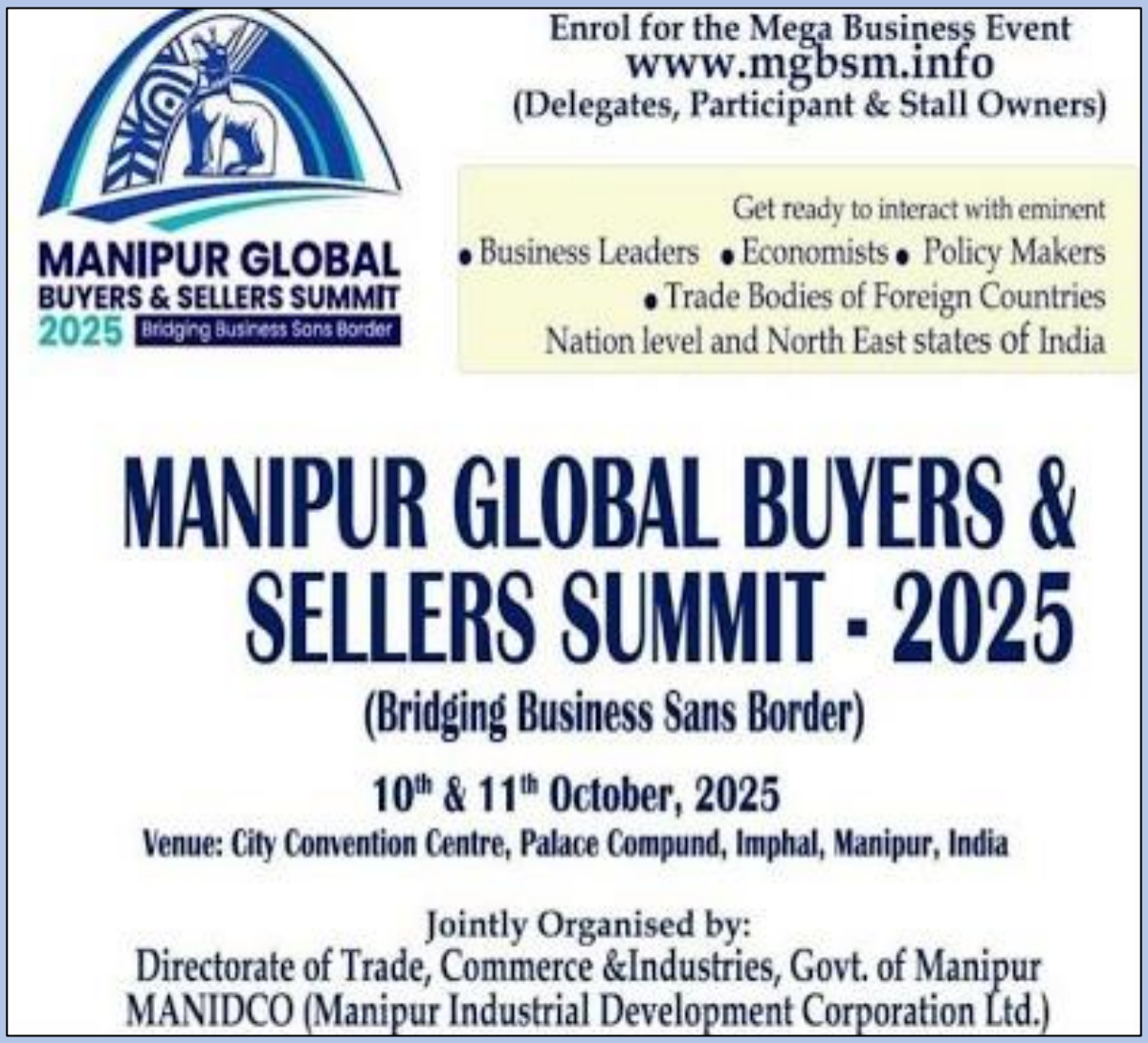

- **आयोजन :** 10 और 11 अक्टूबर, 2025 तक मणिपुर के इम्फाल में।
- **विषय :** "बिजनेस सेंस बॉर्डर्स"/ सीमाओं के बिना व्यापार को जोड़ना विषय पर केंद्रित यह आयोजन केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) की RAMP (MSME के प्रदर्शन को बढ़ाना और तेज करना) पहल का हिस्सा है।
- **आयोजक :** व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग निदेशालय, मणिपुर औद्योगिक विकास निगम (MANIDCO) और मणिपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (MSSI) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR